# उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा की विद्या परिषद (Academic Council) की नौवीं बैठक दिनांक 16.04.2026 का कार्यवृत्त

उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा की विद्या परिषद की नौवीं बैठक दिनांक 16.04.2026 को कुलपति, उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा/अध्यक्ष विद्या परिषद के सभापतित्व में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नांकित ने प्रतिभाग किया:-

| | |
|---|---|
| 1. डॉ0 अजय सिंह, कुलपति, यूपीयूएमएस, सैफई। | अध्यक्ष |
| 2. डॉ0 आर0के0 दीक्षित, प्रोफेसर-फार्माकोलॉजी विभाग, के0जी0एम0यू0, लखनऊ। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 3. डॉ0 एस0पी0सिंह, प्राचार्य सेन्ट जोन्स कॉलेज, आगरा। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 4. डॉ0 सूर्यकांत, प्रोफेसर रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, के0जी0एम0यू0, लखनऊ। | सदस्य |
| 5. डॉ0 आदेश कुमार, संकागाध्यक्ष-चिकित्सा संकाय, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य एवं संयोजक |
| 6. श्रीमती बिजी बिजू, संकायाध्यक्ष-नर्सिंग संकाय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 7. डॉ0 जे0पी0 मथुरिया, संकायाध्यक्ष-पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 8. डॉ0 प्रवीण कुमार, सकायाध्यक्ष-फार्मेसी संकाय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 9. डॉ0 अतुल कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष-दन्त विज्ञान संकाय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 10. डॉ0 रमाकान्त यादव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 11. डॉ0 कीर्ति जैसवाल, प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण, यूपीयूएमएस, सैफई। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 12. डॉ0 अमित कांत सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फिजियोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | |
| 13. डॉ0 आदिल रहमान, प्रोफेसर जू0 ग्रेड एव विभागाध्यक्ष, बायोकेमिस्ट्री, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 14. डॉ0 राजेश कुमार वर्मा, प्रोफेसर एव विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 15. डॉ0 पुष्पेन्द्र सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेन्सिक मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 16. डॉ0 मनोज कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जनरल मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 17. डॉ0 एस0पी0 सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 18. डॉ0 सुनील कुमार शिवपल्टन, प्रोफसर एवं विभागाध्यक्ष, ऑर्थोपेडिक्स, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 19. डॉ0 रवि रंजन, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ऑफथलमोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 20. डॉ0 जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ई0एन0टी0, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 21. डॉ0 कल्पना कुमारी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 22. डॉ0 ऊषा शुक्ला, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया, यूपीयूएमएस, सैफई। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 23. डॉ0 कैलाश कुमार मित्तल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेडिएशन ऑकोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 24. डॉ0 अतुल सक्सेना, एसो0 प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 25. डॉ0 सुभाष चन्द्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 26. डॉ0 राजेश कुमार ठाकुर, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पेरियोडोंटोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 27. डा0 एम0 ए0 खान, प्रोफेसर जू0 ग्रेड एवं विभागाध्यक्ष, यूरोलाजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 28. डा0 अमित सिंह, प्रोफेसर, माईकोबायोलाजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 29. डा0 सविता अग्रवाल, प्रोफेसर एवं इन्चार्ज रिसर्च सेल, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 30. डा0 सन्दीप कुमार, प्रोफेसर, कम्यूनिटी मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 31. डा0 चन्द्रवीर सिंह, प्रोफेसर, फार्माकोलाजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 32. डॉ0 आशा पाठक, प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 33. डा0 विद्या रानी प्रोफेसर, कम्यूनिटी मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 34. डा0 विपिन कुमार यादव, प्रोफेसर, पेरियोडोन्टोलाजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 35. डॉ0 ग्रन्थ कुमार, प्रोफेसर, जनरल मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |
| 36. डा0 सैम्बिगन एन0, एसोसिएट प्रोफेसर, फैकेल्टी आफ नर्सिंग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 37. डॉ0 सुगन्धी शर्मा, असस्टेन्ट प्रोफेसर, इन्चार्ज केन्द्रीय पुस्तकालय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 38. डॉ0 संजय सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, पी0एम0आर, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 39. डॉ0 श्वेता एस0 कुमार, प्रोफेसर जू0ग्रेड एवं विभागाध्यक्ष, डर्मेटोलॉजी, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 40. डॉ0 अमित कुमार सिंह, प्रोफेसर जू0ग्रेड, एनेस्थीसिया विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| 41. डॉ0 सजग कुमार गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 42. डॉ0 रीना शर्मा,प्रोफेसर एवं कार्यवाहक एसो0 संकायाध्यक्ष चिकित्सा संकाय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 43. डॉ0 प्रदीप शर्मा, प्रोफेसर, बायोकैमिस्ट्री विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 44. डॉ0 ज्योति कला भारती, असिस्टेंट प्रोफेसर, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 45. डॉ0 सीमा दयाल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई | सदस्य |
| 46. डॉ0 राहुल मिश्रा, प्रोफेसर, ओरल एण्ड मैक्सिलाफेशियल सर्जरी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 47. डॉ0 धीरज कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 48. डॉ0 गौरीशकर पुटोरी, एसोसिएट प्रोफेसर एव विभागाध्यक्ष, फिजियोथेरेपी विभाग, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 49. डॉ0 अनुज जैन, प्रोफेसर, एनॉटामी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 50. डॉ0 सिद्धार्थ कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, रेडियोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 51. डॉ0 दुर्गेश कुमार, प्रोफेसर जूनियर ग्रेड, पीडियाट्रिक विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 52. डॉ0 राफे अब्दुल रहमान, एसोसिएट प्रोफेसर एण्ड विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 53. डॉ0 विनय कुमार गुप्ता, एसोसिट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 54. डॉ0 प्रशान्त चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर, साइकेट्री विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 55. डॉ0 डी0पी0 सिंह, प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 56. डॉ0 अहमद हसन, असिस्टेंट प्रोफेसर, ऑप्थलमोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 57. डॉ0 अनिल कुमार, प्रोफेसर सीनियर ग्रेड, जनरल सर्जरी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 58. डॉ0 विपिन कुमार गुप्ता, प्रोफेसर, जनरल सर्जरी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। | सदस्य |
| 59. डॉ0 स्नेहाशीष भुनिया, प्रोफेसर, फिजियोलॉजी विभाग, यूपीयूएमएस, सैफई। (ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया) | सदस्य |

इस प्रकार विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की नौवीं बैठक दिनांक 16.04.2026 में कुल 58 सदस्य उपस्थित रहे (उपस्थिति पत्रक संलग्न)। गणपूर्ति होने पर सर्वप्रथम कुलपति, उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा/अध्यक्ष–विद्या परिषद द्वारा विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया गया। तदोपरान्त संयोजक–विद्या परिषद/संकायाध्यक्ष चिकित्सा संकाय एवं सम्बन्धित संकायाध्यक्ष, उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा अध्यक्ष–विद्या परिषद की अनुमति से विद्या परिषद के समक्ष बिन्दुवार एजेण्डा प्रस्तुत किये गये।

बैठक में एजेण्डावार प्रस्तावों पर विचार–विमर्श उपरान्त निम्नांकित निर्णय लिया गया:–

| एजेण्डा बिन्दु | एजेण्डा, प्रस्ताव एवं निर्णय |
|---|---|
| 9–(1) | **विद्या परिषद की आठवीं बैठक दिनांक 05.12.2025 के कार्यवृत्त की पुष्टि**<br>**प्रस्ताव:–** उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा की विद्या परिषद की आठवीं बैठक दिनांक 05.12.2025 के कार्यवृत्त की पुष्टि अपेक्षित है। |
| **निर्णय:–** | विद्या परिषद की आठवीं बैठक के कार्यवृत्त पर सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(2) | **विद्या परिषद की आठवीं बैठक दिनांक 05.12.2025 में लिये गये निर्णयों की अनुपालन आख्या**<br>**प्रस्ताव:–** कृपया विद्या परिषद उपरोक्त अनुपालन आख्या से अवगत होना चाहें। |
| **निर्णय:–** | विद्या परिषद की आठवीं बैठक के निर्णयों की अनुपालन आख्या से विद्या परिषद अवगत हुई तथा एजेण्डा की अनुपालन आख्या के विषय में निम्नलिखित निर्देश दिये गये:–<br>• एजेण्डा बिन्दु 8–(3.3) **Operational allocation of Four (04) Senior Resident (SR) seats for the newly established Palliative Medicine Unit to ensure compliance with NMC-mandated competencies and to support clinical and academic functions** के संबंध में विद्या परिषद द्वारा दूसरे विभागों के खाली पदों के सापेक्ष भर्ती करने का अनुमोदन प्रदान किया गया और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को आदेश जारी करने हेतु निर्देशित किया गया।<br>• **एजेण्डा बिन्दु 8–(3.4) ई.एन.टी. विभाग में DNB Super Speciality Course in Rhinology प्रारम्भ किए जाने के संबंध में विभागाध्यक्ष, ई0एन0टी0 विभाग द्वारा समय से कार्यवाही प्रचलित न किये जाने पर विद्या परिषद द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए** |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | एन0एम0सी0 सेल के माध्यम से प्रस्ताव तैयार करने तथा एन0बी0आई0 को प्रेषित करने के निर्देश दिये गये।<br>• एजेण्डा बिन्दु 8–(4) **Moderation of Examination Question Papers to Minimize Duplication and Ensure Quality** के संबंध में संकायाध्यक्ष, चिकित्सा संकाय द्वारा एक समिति का गठन कर एस0ओ0पी0 तैयार करने तथा आगामी विद्या परिषद से अनुमोदन प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया।<br>• एजेण्डा बिन्दु 8–(7.3) फार्मेसी संकाय के संकाय सदस्यों की पदोन्नति के संबंध में उत्तर प्रदेश शासन से निम्न बिन्दुओं पर मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है–<br>1. अधिकांश संकाय सदस्य बिना वेतन वृद्धि के पदोन्नति के लिए सहमत हैं। इस स्थिति में संकाय सदस्यों को अनुभव की अवधि के आधार पर पदोन्नत पद पर नामित (Designate) किया जा सकता है या नहीं?<br>2. कार्य परिषद की 11वीं बैठक, सितम्बर 2023 के निर्णय के क्रम में पदोन्नति हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया था। उक्त प्रकरण में शासन से कोई दिशा निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं।<br>उपरोक्त दोनों बिन्दुओं पर शासन की अनुमति के अनुसार निर्णय लिया जा सकता है। उक्त के संबंध में **संकायाध्यक्ष, फार्मेसी** को कुलसचिवत के माध्यम से शासन से पत्राचार करने हेतु निर्देशित किया गया। |
| 9–(3.1) | **रैगिंग की शिकायत संख्या यू0पी0–0750 की एन्टी रैगिंग समिति द्वारा की गयी जॉच में समिति द्वारा की गयी दण्ड की संस्तुतियों पर निर्णय लिये जाने हेतु।**<br>प्रस्तावना:–रैगिंग की शिकायत संख्या यू0पी0–0750 की जॉच एन्टी रैगिंग समिति द्वारा की गयी। एन्टी रैगिंग समिति द्वारा अपनी जॉच में निम्नानुसार निष्कर्ष दिये गये हैं–<br>• The Charge of forced grooming is false.<br>• A few students confirmed that vulgar literature was given to them by seniors.<br>• Fresher students stated via email that they were physically assaulted by senior students on the night of 25/26 January, 2026. CCTV footage corroborates this, showing a student patting another student simulating gunfire and bonbing, which was also confirmed by emails.<br>• Regarding the mass escalation on the night of 25/26 January 2026, the ARC concludes that MBBS Batch 2025 students were forcibly called out of their hostel, made to participate in a mass parade, and were misbehaved with by senior students.<br>• These acts fall within the purview of ragging.<br>• The conduct of the security guards posted at the hostels was highly objectionable and reflects negligence of duty.<br>उक्त के क्रम में एन्टी रैगिंग समिति द्वारा निम्नानुसार दण्ड निर्धारित किये जाने हेतु परामर्श दिया गया है–<br>• Students involved (names attached) in this illegal and illicit act should be debarred from academics and hostels for three months, fined Rs. 25000 each, and a formal intimation letter should be sent to their parents.<br>• Warning letter should be issued to all UG students of MBBS Batches 2020, 2021, 2022, 2023, & 2024 and their parents, stating that any future involvement in ragging will lead to permanent debarment from hostels or strict action will be taken as per law.<br>• The Registrar, UPUMS, Saifai, may constitute an inquiry committee to take disciplinary action against the security gurad and others, if any.<br>• Security at Shakyamuni Hostel should be further strengthened, the number of CCTV Cameras increased, and all unauthorised entry points sealed.<br>• Hostel timings must be strictly enforced, and in case of emergencies, the hostel warden shall be the sole permitting authority.<br>प्रस्ताव का आधार:–छात्रों पर उक्तानुसार दण्ड निर्धारित करने हेतु समिति द्वारा दिया गया सुझाव उचित प्रतीत नहीं होता है। क्योंकि समिति द्वारा एक साथ कई दण्ड निर्धारित किये गये हैं, जिसका प्रभाव छात्रों के पठन–पाठन, परीक्षाओं एवं भविष्य पर भी पड़ेगा। छात्रों द्वारा अपने प्रार्थनापत्र के माध्यम से भी अनुरोध किया गया है कि उक्त को रिव्यू किया जाये। छात्रों के |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | अनुरोध एवं उनके भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रकरण पर एन्टी रैगिंग समिति एवं संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण से बैठक कर वार्ता की गयी तथा मा0 कुलपति महोदय से भी वार्ता की गयी। तपदोपरान्त प्रश्नगत प्रकरण को विद्या परिषद में प्रस्तुत करने हुए निर्णय कराने हेतु अनुमोदन प्राप्त हुआ है।<br>**प्रस्तावः**–छात्रों हेतु निर्धारित किये जाने वाले दण्ड का विवरण निम्नानुसार प्रस्तावित है–<br>• Students involved (names attached) fined Rs. 25000 each, and a formal intimation letter should be sent to their parents.<br>• Warning letter should be issued to all UG students of MBBS Batches 2020, 2021, 2022, 2023, & 2024 and their parents, stating that any future involvement in ragging will lead to permanent debarment from hostels or strict action will be taken as per law.<br>• The Registrar, UPUMS, Saifai, may constitute an inquiry committee to take disciplinary action against the security gurad and other.<br>• Security at Shakyamuni Hostel should be further strengthened, the number of CCTV Cameras increased, and all unauthorised entry points sealed.<br>• Hostel timings must be strictly enforced, and in case of emergencies, the hostel warden shall be the sole permitting authority.<br>**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**–उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन देते हुए एन्टी रैगिंग कमेटी द्वारा प्रस्तावित दण्ड से संबंधित आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। |
| 9–(3.2) | **Research Methodology पर प्रतिवर्ष 02 वर्कशॉप कराये जाने तथा कार्यशाला में प्रतिभाग करने का प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु।**<br>**प्रस्तावनाः**–विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पी0जी0 छात्र/छात्राओं के लिए How to Write SynopsisएवंHow to Write Thesis तथा Anti-Plagiarismमें दक्षता प्राप्ति हेतु Research Methodologyविषय पर कार्यशाला का आयोजन कराये जाने की आवश्यकता है।<br>**प्रस्ताव का आधारः**–पी0जी0 छात्र/छात्राओं को साईनाप्सिस एवं थिसिस को लिखने में नियमानुसार एवं यथोचित जानकारी तथा रिसर्च कार्य में दक्षता लाने के उद्देश्य से Research Methodologyपर कार्यशाला आयोजित करायी जानी है।<br>**प्रस्तावः**–कार्यशाला के आयोजन हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर अनुमोदन आपेक्षित है–<br>1. कार्यशाला का आयोजन प्रतिवर्ष प्रथम बार Synopsis हेतु थिसिस टॉपिक निर्धारित करने से पूर्व तथा दूसरी बार Thesisलिखने से पूर्व किया जायेगा।<br>2. कार्यशाला में उपस्थित पी0जी0 रेजिडेन्ट्स को प्रत्येक कार्यशाला में प्रतिभाग करने का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रदान किया जायेगा, जिसे उन्हें अपनी थिसिस के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।<br>3. कार्यशाला में आन्तरिक एवं बाह्य विषय–विशेषज्ञों को रखा जायेगा।<br>4. बाह्य विषय–विशेषज्ञों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार मानदेय, टी0ए0/डी0ए0 देय होगा।<br>**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | उक्त कार्य रिसर्च सेल द्वारा किये जाने हेतु विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(3.3) | **UPUMS सैफई में Ph.D. कार्यक्रम के संचालन हेतु SGPGIMS लखनऊ के नियम एवं विनियमों का आवश्यक संशोधनों सहित अंगीकरण।**<br>**प्रस्तावनाः–**<br>UP'JMS, सैफई में उच्च स्तरीय अनुसंधान को प्रोत्साहित करने एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से Ph.D. कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु विधिवत अनुमोदित नियम एवं विनियमों का प्रावधान आवश्यक है।<br>**पृष्ठभूमिः**–UPUMS के Ph.D. कार्यक्रम हेतु प्रारूप नियम एवं विनियम पूर्व में निम्नानुसार अनुमोदित किए जा चुके हैं–<br>• अकादमिक परिषद की 5वीं बैठक दिनांक 08.08.2023 (एजेंडा संख्या 5–(7.1))<br>• माननीय कार्य परिषद की 11वीं बैठक दिनांक 12.09.2023 (एजेंडा संख्या 5–(7.1)) |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | • माननीय कार्य परिषद की 11वीं बैठक दिनांक 12.09.2023 (एजेंडा संख्या 5–(7.1))<br>• तत्पश्चात, दिनांक 13.09.2024 को श्री मनोज कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, अनुभाग चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें Ph.D. कार्यक्रम के संचालन के संबंध में निर्देश परामर्श प्रदान किया गया। उक्त के आलोक में पूर्व अनुमोदित प्रारूप का पुनः परीक्षण किया जाना अपेक्षित हुआ।<br>**नियम/अबतक की कार्यवाही/निष्कर्षः–**<br>• विषय का सम्यक परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि SGPGIMS, लखनऊ द्वारा Ph.D. कार्यक्रम का संचालन दीर्घकाल से सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिसके लिए उनके पास विधिवत अनुमोदित एवं सुव्यवस्थित नियम एवं विनियम उपलब्ध हैं।<br>• विस्तृत विचार–विमर्शोपरांत यह उपयुक्त प्रतीत हुआ कि SGPGIMS, लखनऊ के नियम एवं विनियमों को आधार मानते हुए, UPUMS की आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक संशोधन/परिमार्जन कर अंगीकृत किया जाए।<br>• तदनुसार, SGPGIMS, लखनऊ के नियम एवं विनियमों के प्रारूप में आवश्यक संशोधनध्परिमार्जन किए जा चुके हैं तथा उक्त संशोधित प्रारूप को विश्वविद्यालय के Ph.D. सेल द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है।<br>**प्रस्ताव का आधारः–**<br>• SGPGIMS लखनऊ में स्थापित एवं सफल Ph.D. कार्यक्रम की प्रणाली<br>• विधिवत अनुमोदित एवं कार्यशील नियम एवं विनियमों की उपलब्धता<br>• UPUMS में Ph.D. कार्यक्रम के शीघ्र एवं सुव्यवस्थित संचालन की आवश्यकता<br>• उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त निर्देश पत्राचार<br>• अनुसंधान कार्यक्रमों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं एकरूपता सुनिश्चित करना<br>**अनुमोदन हेतु प्रस्तावः–**<br>अकादमिक परिषद से निम्न बिंदुओं पर विचार एवं अनुमोदन का अनुरोध हैः–<br>SGPGIMS, लखनऊ के नियम एवं विनियमों के प्रारूप में आवश्यक संशोधन परिमार्जन किए जा चुके हैं तथा उक्त संशोधित प्रारूप को विश्वविद्यालय के Ph.D.सेल द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। अतः उक्त संशोधित नियम एवं विनियमों को अकादमिक परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाता है।<br>तत्पश्चात, अनुमोदन उपरांत उक्त प्रस्ताव को माननीय कार्य परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा तथा अंतिम स्वीकृति हेतु उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जाएगा, ताकि विश्वविद्यालय में Ph.D. कार्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया जा सके।<br>वित्तीय प्रभावः– उक्त प्रस्ताव के संबंध में संभावित वित्तीय प्रभाव का पृथक परीक्षण कर वित्त समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाएगा।<br>**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | विद्या परिषद द्वारा निर्देश दिये गये कि उक्त प्रकरण को पी0एच0डी0 सेल द्वारा समिति के वाह्य सदस्य को प्रेषित किया जाये तथा उनकी सहमति प्राप्त कर आगामी कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाये। |
| 9–(3.4) | **Timing of Central Library for Residents**<br>The Central Library currently operates for residents from 10.00AM to 11.00 PM. Residents, owing to their demanding clinical duties and academic workload, often face constraints in accessing library resources during existing hours.<br>A formal application has been submitted by the residents requesting an extension of ***library timing up to 12.00 midnight***, exclusively for resident doctors.<br>In this regard, Hon'ble Vice Chancellor has accorded verbal approval for extending the timing.<br>**Proposal:-**<br>The Academic Council is requested to consider this agenda for extension of Central |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | Library timing up to 12.00 midnight for residents only, in line with the verbal approval of the Hon'ble Vice Chancellor, followed by review.<br>**Proposal:** - Hence it is proposed that Academic council may like to approve the agenda. |
| **निर्णयः–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| **9–(3.5)** | **विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में Departmental Alumni Cell के गठन हेतु।**<br>**प्रस्तावनाः–** शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, ज्ञान का आदान–प्रदान करने तथा मरीजों को उच्च कोटि का इलाज उपलब्ध कराने के दृष्टिगत प्रत्येक विभाग में Departmental Alumni Cellके गठन की आवश्यकता है।<br>**पृष्ठभूमिः–** विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में Departmental Alumni Cellनहीं है इसलिए उसके गठन की आवश्यकता है। प्रत्येक विभाग फाउन्डेशन डे के अवसर पर विभाग के सभी संकाय सदस्य एवं पी0 जी0 Alumni रहे हैं, को आमंत्रित कर सेमिनार, वर्कशाप आयोजित करायी जाये।<br>**नियम/अबतक की कार्यवाही/निष्कर्ष** : विश्वविद्यालय की आवश्यकता के दृष्टिगत Departmental Alumni Cellगठन किया जाना आवश्यक है।<br>**प्रस्ताव का आधारः–** माननीय कुलपति महोदय द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिये गये हैं कि प्रत्यक विभाग में Departmental Alumni Cellका गठन किया जाये।<br>**अनुमोदन हेतु प्रस्ताव** : प्रस्ताव है कि विश्वविद्यालय के समस्त विभागों में Departmental Alumni Cellका गठन किया जाये।<br>**प्रस्ताव पर आपेक्षित अनुमोदन** : उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया तथा यह निर्देशित किया गया कि सारे Departmental Alumni Cell, University Alumni Cell के निर्देशन में कार्य करेंगे। University Alumni Cell प्रतिवर्ष दो प्रोग्राम आयोजित करेगी। |
| **9–(3.6)** | **विश्वविद्यालय में संचालित एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम के वार्षिक शुल्क की दरों को उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासनादेश तथा एन0एम0सी0 की गाईडलाईन्स के अनुसार एवं डी0एन0बी0 पाठ्यक्रम का वार्षिक शुल्क एन0बी0ई0एम0एस0 की गाईडलाईन्स के अनुसार प्राप्त किया जाना।**<br>**प्रस्तावनाः–**चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–3 के शासनादेश संख्या 2240/71–3–2010–328/92 दिनांक 20.08.2010 के माध्यम से निर्धारित दरों के अनुसार विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक (एम0बी0बी0एस0) तथा स्नातकोत्तर (एम0डी0/एम0एस0/एम0डी0एस0/एम0सी0एच0) पाठ्यक्रमों का शुल्क प्राप्त किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त डी0एन0बी0 पाठ्यक्रम में एन0बी0ई0एम0 एस0 द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार शुल्क प्राप्त किया जाता है। विवरण निम्नवत है– |

शासनादेश संख्या 2240/71–3–2010–328/92 दिनांक 20.08.2010

| Fee Heads | MBBS | PG (MD/MS/ MDS/M.Ch.) | Remarks |
|---|---|---|---|
| Tution Fee | 18000.00 | 24000.00 | Annual (50% for SC/ST/OBC) |
| Other Fee | 4000.00 | 4000.00 | Annual |
| Development Fee | 2000.00 | 2000.00 | Annual |
| Admission Fee | 2000.00 | 2000.00 | Only at the time of admission |
| Caution Money | 10000.00 | 10000.00 | Only at the time of admission (Refundable |
| Hostel Fee | | | |
| Single Seated | 300.00 | Free | Per Month |
| Double Seated | 200.00 | | Per Month |
| Tripple Seated or more | 100.00 | | Per Month |
| Electric Fee | 200.00 | 500.00 | Per Month |

As per NBEMS Guidelines

| Fee Heads | DNB Fee | Remarks |
|---|---|---|
| Tution Fee | 75000.00 | Annual |
| Library Fees | 15000.00 | Annual |
| Annual Appraisal Fees | 15000.00 | Annual |

Scanned with OKEN Scanner

| | | | |
|---|---|---|---|
| Accommodation Charges | 20000.00 | Annual |
| Total | 125000.00 | Annual |

पृष्ठभूमिः–

उक्त शुल्क के विषय में एन0एम0सी0 द्वारा निर्गत **Clarification on Fee Chargeable for MBBS Course Duration** विषयक पब्लिक नोटिस संख्या **CDN-13011/1/2026- Coordination-NMC dated 07th April, 2026**, जिसे महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, लखनऊ द्वारा अपने पृष्ठांकन संख्या एम0ई0–3/2026/760 दिनांक 08.04.2026 के माध्यम से एन0एम0सी0 के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु पृष्ठांकित किया गया है, जिसमें बिन्दु संख्या–5 पर अंकित किया गया है कि–**All Medical College/ Institution/ Universities are hereby directed that the fee for the MBBS course shall be charged only for prescribed academic duration of $4^1/_2$ years (four and a half years).**परन्तु शासनादेश में एम0बी0बी0एस0 छात्रों के शुल्क को वार्षिक लिए जाने का प्राविधान है।

अतः एन0एम0सी0 के उक्त निर्देशों के अनुपालन में एम0बी0बी0एस0 छात्रों से Tution Fee, Other Fee, Development Fee मद के शुल्क को चार वर्ष छः माह तथा छात्रावास एवं विद्युत उपभोग शुल्क को छात्रों के प्रयोग करने की अवधि के अनुसार प्राप्त किया जाना है।

नियम/कृत कार्यवाही/निष्कर्ष/निर्णयः–

- चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–3 के शासनादेश संख्या 2240/71–3–2010–328/92 दिनांक 20.08.2010
- एन0एम0सी0 पब्लिक नोटिस संख्या CDN-13011/1/2026- Coordination-NMC dated 07th April, 2026 तथा हानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, लखनऊ की पृष्ठांकन संख्या एम0ई0–3/2026/760 दिनांक 08.04.2026।

**प्रस्ताव का आधारः**एन0एम0सी0 के निर्देशों का अनुपालन।

**प्रस्तावः**–छात्र/छात्राओं से वार्षिक शुल्क प्राप्त किये जाने हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव है कि–

•चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–3 के शासनादेश संख्या 2240/71–3–2010–328/92 दिनांक 20.08.2010 में अंकित मदों**(Tution Fee, Other Fee, Development Fee)के शुल्क को चार वर्ष छः माह तथा छात्रावास एवं विद्युत उपभोग शुल्क को छात्रों के छात्रावास प्रयोग करने की अवधि के अनुसार प्राप्त किया जाने हेतु अनुमोदन।**

•एन0बी0ई0एम0एस0 की गाईडलाईन्स के अनुसार डी0एन0बी0 छात्र/छात्राओं से रू. 125000/– प्रतिवर्ष शुल्क प्राप्त किया जाना।भविष्य में यदि एन0बी0ई0एम0एस0 द्वारा शुल्क की दरों में परिवर्तन किया जाता है, तो उसे लागू किया जायेगा।

**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**–कृपया विद्या परिषद उपर्युक्त प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करना चाहें।

**निर्णयः–** चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–3 के शासनादेश संख्या 2240/71–3–2010–328/92 दिनांक 20.08.2010 एवं **एन0एम0सी0 द्वारा निर्गत Clarification on Fee Chargeable for MBBS Course Duration विषयक पब्लिक नोटिस संख्या CDN-13011/1/2026- Coordination-NMC dated 07th April, 2026** तथा NBEMS की गाइड लाइन्स के अनुसार कार्यवाही करने हेतु विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

**9–(4.1)** **विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं फॉर्मेसी संकाय में स्थित परीक्षाहॉल को अपडेट करने के सम्बन्ध में।**

**प्रस्तावनाः**–विश्वविद्यलाय के चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं फॉर्मेसी संकाय में स्थित परीक्षाहॉल को अपडेट करने के लिए बिन्दुओं को विद्यापरिषद के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

**प्रस्ताव का आधारः**–विश्वविद्यलाय के चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं फॉर्मेसी संकाय में स्थित परीक्षाहॉल को अपडेट करने के सम्बन्ध में।

**प्रस्तावः**–विश्वविद्यलाय के चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं फॉर्मेसी संकाय में स्थित परीक्षाहॉल को अपडेट करने के लिए निम्नवत बिन्दुओं को विद्यापरिषद

Scanned with OKEN Scanner

के समक्ष अनुमोदन किया जाना प्रस्तावित है।

| परीक्षा हॉल | परीक्षा हॉल को अपडेट करने के लिए बिन्दु |
|---|---|
| मेडिकल कॉलेज परिसर का परीक्षा हॉल | • परीक्षा हॉल में छात्र–छात्राओं की बैठने की क्षमता बढ़ाने के लिए दोनों कमरों को तोड़वाया जा सकता है तथा पीछे की ओर एक कंट्रोल कक्ष बनवाया जा सकता है। कंट्रोल कक्ष में एक कम्प्यूटर शेट प्रिंटर सहित की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल में 08 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। जिसमें परीक्षा के दौरान समस्त छात्र–छात्राएं दिखाई नहीं देते हैं, इसलिए परीक्षा हॉल में कम से कम 04 सीसीटीवी कैमरों को बढ़ाने की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल के दिवारों पर सीसीटीवी के डिस्पले हेतु बड़े–बड़े टीवी लगाने की आवश्यकता है। जिससे परीक्षा के दौरान छात्र–छात्राओं की निगरानी की जा सके।<br>• परीक्षा हॉल में आगे की तरफ जो गोलाकार भाग है उनमें पर्दे लगाने की आवश्यकता है जिससे सीसीटीवी कैमरे में छात्र–छात्राओं को आसानी से देखा जा सके।<br>• परीक्षा हॉल की सीलिंग की मरम्मत कराने की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल में छात्र–छात्राओं को सूचित करने के लिए माइक सेट की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल में उप केन्द्राध्यक्ष एवं कक्ष निरीक्षकों के बैठने हेतु फर्नीचर की आवश्यकता है।<br>• विश्वविद्यालय में चिकित्सा संकाय के एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम में कुल 200 सीटें हैं जबकि वर्तमान समय में परीक्षाहॉल में 200 कुर्सी एवं 200 टेबल ही हैं। जब कभी परीक्षा में 20–25 छात्र अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, तो अगली परीक्षा में 220–225 छात्र–छात्राएं हो जाते हैं। इसलिए परीक्षाहॉल 50 कुर्सी एवं 50 टेबल की आवश्यकता है। |
| नर्सिंग संकाय के परिसर का परीक्षा हॉल (कक्षा संख्या 411) | • परीक्षाहॉल 50 कुर्सी एवं 50 टेबल की आवश्यकता है। परीक्षा हॉल के दिवारों पर सीसीटीवी के डिस्पले हेतु बड़े–बड़े टीवी लगाने की आवश्यकता है। जिससे परीक्षा के दौरान छात्र–छात्राओं की निगरानी की जा सके।<br>• परीक्षाहॉल में 04 ए0सी0 की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल में 05 कैमरों को बढ़ाने की आवश्यकता है। |
| पैरामेडिकल विज्ञान संकाय के परिसर का परीक्षा हॉल (कक्षा संख्या 418) | • परीक्षा हॉल के दिवारों पर सीसीटीवी के डिस्पले हेतु बड़े–बड़े टीवी लगाने की आवश्यकता है। जिससे परीक्षा के दौरान छात्र–छात्राओं की निगरानी की जा सके।<br>• परीक्षा हॉल में 04 कैमरों को बढ़ाने की आवश्यकता है।<br>• परीक्षा हॉल में पर्दे की आवश्यकता है। |
| फॉर्मेसी संकाय के परिसर का परीक्षा हॉल (कक्षा संख्या 417) | • परीक्षा हॉल के दिवारों पर सीसीटीवी के डिस्पले हेतु बड़े–बड़े टीवी लगाने की आवश्यकता है। जिससे परीक्षा के दौरान छात्र–छात्राओं की निगरानी की जा सके। |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | **प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः–** उक्त प्रस्ताव पर विद्यापरिषद, अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक अनुमोदन प्रदान करते हुए निर्देश दिये गये कि प्रकरण को सक्षम अधिकारी को प्रेषित कर परीक्षा नियंत्रक द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। |
| **9–(4.2)** | **विश्वविद्यालय में चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय, फॉर्मेसी संकाय एवं दंत संकाय की परास्नातक एवं स्नातक पाठ्यक्रमों की विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को ऑनलाईन मूल्यांकन कराने के लिए साफ्टवेयर की आवश्यकता एवं अंकपत्र को आवश्यक स्पेशिफिकेशन के अनुसार होने तथा डिग्री (उपाधि) एवं अंकपत्र की Design, Printing and Paper के लिए फर्म की आवश्यकता के सम्बन्ध में।**<br>**प्रस्तावनाः**–विश्वविद्यलाय में चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान संकाय एवं फॉर्मेसी संकाय की परास्नातक एवं स्नातक पाठ्यक्रमों की विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं को ऑनलाईन मूल्यांकन कराने के लिए साफ्टवेयर की आवश्कता एवं अंकपत्र को उपरोक्त स्पेशिफिकेशन के अनुसार तथा डिग्री (उपाधि) एवं अंकपत्र की Design,Printing and Paper के लिए फर्म की आवश्यकता के सम्बन्ध में विद्यापरिषद के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।<br>**पृष्ठभूमिः**–विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षाओं का विश्वविद्यलाय में चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, पैरामेडिकल विज्ञान सकाय एवं फॉर्मेसी संकाय की परास्नातक एवं स्नातक पाठ्यक्रमों की विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षाओं का कार्य समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, परन्तु उत्तरपुस्तकाओं का मूल्यांकन ऑफलाईन के माध्यम से किया जा रहा है। अंकपत्र ए5 साईज में दी जा रही है। साथ ही सिक्योरिटी फीचर्स नहीं हैं।<br>**प्रस्तावः**–उत्तरपुस्तिकाओं को ऑनलाइन मुल्यांकन कराने के लिए साफ्टवेयर की आवश्यकता है। अंकपत्र को उपरोक्त स्पेशिफिकेशन के अनुसार तथा डिग्री (उपाधि) एवं अंकपत्र की Design, Printing and Paperके लिए फर्म की आवश्यकता होने के सम्बन्ध में विद्यापरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। |

| Sr. | Particulars |
|---|---|
| 1 | **Design & Printing Of Marksheet Feature of Marksheet**<br>ON FRONT SIDE<br>1. Printing on Non Tearablel Paper (NTR)<br>2. QR code with Varifiable Data<br>3. Water Proof Paper A4 size<br>4. Printing Logo of University with Water Mark<br>5. Serial No. with varifiable Data<br>6. Enrollment number and Roll number<br>7. Micro Printing with Varifiable Data<br>8. Correlation mark with Varifiable Data<br>9. Security feature<br>10. Pattern border |
| 2 | Correction & Re-printing |

| | |
|---|---|
| | **प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**–उक्त प्रस्ताव पर विद्यापरिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | विद्या परिषद द्वारा उक्त प्रस्ताव पर सैद्धान्तिक रूप से सहमति प्रदान करते हुए अटल बिहारी विश्वविद्यालय, लखनऊ में प्रचलित व्यवस्था को विश्वविद्यालय में लागू कर परीक्षा नियंत्रक द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। |
| **9–(5)** | **उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–4 द्वारा शासनादेश सं0– 1/1183715/2025/71–4099/78/2023 दिनांक 23.12.2025 के माध्यम से राष्ट्रीय सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख–रेख वृति आयोग अधिनियम 2021 की धारा–2 (ख, (ग), (घ), (ड.) एवं (1) के अन्तर्गत "पैरामेडिकल" (Paramedical)शब्द के स्थान पर "सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख–रेख" (Allied and Healthcare) शब्द का प्रयोग करना सुनिश्चित किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्देश प्राप्त हुए हैं, जिसका अनुमोदन विद्या परिषद में प्राप्त किया जाना है।**<br>**प्रस्तावनाः**–उक्त सन्दर्भ में अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा अधिनियम, 2015 की धारा 25(1) में "पैरामेडिकल विज्ञान" शब्दावली का ही प्रयोग हुआ है। पूर्व में "National Commission for Allied and Healthcare Professions (NCAHP)" पत्र के |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | आलोक में "Paramedical" शब्द के स्थान पर "Allied and Healthcare" शब्दावली का प्रयोग किये जाने हेतु दिये गये निर्देशो के क्रम में पैरामेडिकल विज्ञान संकाय की Deans Committeeतत्पश्चात विद्या परिषद की सातवीं बैठक एवं कार्य परिषद की चौदवीं बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया है।<br>विश्वविद्यालय के अधिनियम में उक्त संशोधन हेतु शासन को पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया है। वर्तमान में शासनादेश के क्रम में प्रेषित किया जा चुका है।<br>उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–4 द्वारा शासनादेश सं0– 1/1183715/2025/71–4099/78/2023 दिनांक 23.12.2025 के क्रम में "Paramedical" भाब्द के स्थान पर "Allied and Healthcare" शब्दावली का प्रयोग प्रारम्भ किया जाना एवं साथ ही उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा अधिनियम, 2015 की धारा 25(1) में संशोधन हेतु शासन को पुनः पत्र प्रेषित किये जाने का प्रस्ताव है।<br>**नियम/कृत कार्यवाही/निर्णयः**–अवगत कराना है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन "National Commission for Allied and Healthcare Professions (NCAHP)"द्वारा पत्र सं0 Z/103/2024-AHS-DOHFWDepartment, FTS-8309547दिनांक 01 जुलाई, 2025 को निर्गत परिपत्र के अनुसार "Paramedical"शब्द का प्रयोग समस्त भासकीय पत्राचार, नीतियों, विज्ञापनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संस्थागत नामों, भर्ती अधिसूचनाओं, शैक्षणिक सामग्री एवं समस्त प्रकार के अभिलेखों/पोर्टलों में "Allied and Healthcare"शब्दावली से प्रतिस्थापित किये जाने की अनुशंसा की गयी है। साथ ही उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–4 द्वारा शासनादेश सं0– 1/1183715/2025/71–4099/78/2023 दिनांक 23.12.2025 के माध्यम से राष्ट्रीय सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख–रेख वृति आयोग अधिनियम 2021 की धारा–2 (ख, (ग), (घ), (ड.) एवं (1) के अन्तर्गत "पैरामेडिकल" (Paramedical)शब्द के स्थान पर "सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख–रेख" (Allied and Healthcare)शब्द का प्रयोग करना सुनिश्चित किये जाने हेतु आदेश पारित किये गये हैं।**(Annexure- 6)**<br>**प्रस्ताव का आधारः**–अवगत कराना है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन "National Commission for Allied and Healthcare Professions (NCAHP)"द्वारा पत्र सं0 Z/103/2024-AHS-DOHFW Department, FTS-8309547 दिनांक 01 जुलाई, 2025 को निर्गत परिपत्र एवं उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–4 द्वारा निर्गत शासनादेश सं0–1/1183715/2025/71–4099/78/2023 दिनांक 23.12.2025.<br>**प्रस्तावः**–अवगत कराना है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन "National Commission for Allied and Healthcare Professions (NCAHP)"द्वारा पत्र सं0 Z/103/2024-AHS-DOHFW Department, FTS-8309547दिनांक 01 जुलाई, 2025 को निर्गत परिपत्र एवं उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–4 द्वारा निर्गत शासनादेश सं0–1/1183715/2025/71–4099/78/2023 दिनांक 23.12.2025 के आलोक में प्रस्ताव निम्नवत् है–<br>(1) "Paramedical"शब्द का प्रयोग समस्त भासकीय पत्राचार, नीतियों, विज्ञापनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संस्थागत नामों, भर्ती अधिसूचनाओं, शैक्षणिक सामग्री एवं समस्त प्रकार के अभिलेखों/पोर्टलों में "Allied and Healthcare" शब्दावली से प्रतिस्थापित किये जाने का प्रस्ताव है।<br>(2) उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा अधिनियम, 2015 की धारा 25(1) में संशोधन हेतु शासन को पुनः पत्र प्रेषित किये जाने का प्रस्ताव है।<br>**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः**–उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान करना चाहें। |
| **निर्णयः–** | विद्या परिषद द्वारा उक्त प्रस्ताव पर सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(6.1) | **To consider and adopt the eligibility criteria for appearing in the 8th Semester Examination of the B.Sc. Nursing Programme in accordance with the revised guidelines issued by the Indian Nursing Council (INC).**<br>***Preface:-***<br>The Indian Nursing Council (INC), being the statutory regulatory body for nursing education in India, issues directions and amendments from time to time to ensure uniformity, quality assurance, and maintenance of academic standards in nursing education across the country. In this regard, the INC has issued Circular/File No. 1- |

Scanned with OKEN Scanner

6/BSc (Nursing)/2026/INC dated 09 January 2026, prescribing revised provisions relating to semester examination eligibility and progression in the B.Sc. Nursing Programme. As the institution/university is required to adhere to the norms and standards laid down by the INC, it is necessary to formally place the matter before the competent authority for consideration and adoption of the revised eligibility criteria for implementation in the academic and examination system.

**Background:-**

The Indian Nursing Council, vide Circular/File No. 1-6/BSc (Nursing)/2026/INC dated 09 January 2026, has issued an amendment regarding eligibility and progression in the B.Sc. Nursing Programme. The salient points of the circular are as follows:

(i) The candidate shall appear for examination in each semester.
(ii) The candidate shall have cleared all previous semester examinations before appearing for the final semester examination, i.e., 8th Semester.
(iii) The maximum period to complete the course/programme successfully shall not exceed eight (8) years.
(iv) This amendment shall be effective for candidates appearing in the 5th semester and subsequent semesters of B.Sc. Nursing with effect from the year 2025.
(v) The amendment shall be applicable to all students awaiting completion of 5th and subsequent semesters irrespective of the year of admission. In view of the above, the institution/university is required to align its examination regulations and student eligibility conditions with the revised INC guidelines.

**Action / Decision Required:-**

The competent authority is requested to:

1. Consider the revised eligibility criteria issued by the Indian Nursing Council vide File No. 1-6/BSc (Nursing)/2026/INC dated 09 January 2026.
2. Approve the adoption and implementation of the following conditions: (a) Every student shall appear in the examination of each semester. (b) No student shall be permitted to appear in the 8th Semester (Final Semester) Examination unless he/she has cleared all previous semester examinations. (c) The student must complete the B.Sc. Nursing Programme within a maximum period of eight (8) years from the date of admission.
3. Direct the Examination Section / Academic Branch / College concerned to incorporate these provisions in examination notifications, student advisories, academic regulations, and semester progression rules.
4. Make the revised provisions applicable to all concerned students as per the applicability clause of the INC circular.

**Basis of Approval:-**

The proposal is placed for approval on the following grounds: (i) It is based on a statutory directive issued by the Indian Nursing Council, the apex regulatory body for nursing education in India. (ii) Compliance with INC regulations is mandatory for institutions conducting the B.Sc. Nursing Programme. (iii) Adoption of the revised eligibility criteria will ensure uniformity and consistency in academic progression and examination administration. (iv) Requiring clearance of all previous semester examinations before appearing in the final semester will strengthen academic discipline and competency-based learning. (v) The provision of a maximum completion period of 8 years provides a clear framework for academic monitoring and management of backlog cases. (vi) Formal approval by the competent authority will ensure administrative clarity and legal validity in the implementation of the revised norms.

**Proposal:-**

It is proposed that the institution/university formally adopt the revised eligibility criteria for the B.Sc. Nursing Programme in accordance with Indian Nursing Council Circular/File No. 1-6/BSc (Nursing)/2026/INC dated 09 January 2026, with the following provisions:

1. Every candidate shall appear in the examination of each semester.
2. No candidate shall be permitted to appear in the 8th Semester (Final Semester) Examination unless he/she has cleared all previous semester examinations.

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | 3. The maximum period for successful completion of the B.Sc. Nursing Programme shall not exceed eight (8) years from the date of admission.<br>4. The amendment shall be applicable to candidates appearing in the 8th semester and subsequent semesters with effect from the year 2026.<br>5. The amendment shall also apply to all students awaiting completion of the 8th and subsequent semesters, irrespective of the year of admission.<br>6. The Examination Section / Registrar / Dean / Principal / Controller of Examinations (as applicable) shall take necessary action for implementation and notification.<br>**Approval Requested:-**<br>The Committee / Board / Academic Council is expected to approve the proposal, as the same is based on a clear and mandatory regulatory directive issued by the Indian Nursing Council. The proposed adoption will ensure statutory compliance, academic uniformity, transparency in examination eligibility, and maintenance of the standards of nursing education. The matter is, therefore, placed before the competent authority for kind consideration and approval of the revised eligibility criteria for appearing in the 8th Semester B.Sc. Nursing Examination, in accordance with INC File No. 1-6/BSc Nursing/2026/INC dated 09 January 2026, with effect and applicability as prescribed therein. |
| निर्णयः– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा आईएनसी० में प्रचलित नियमों को लागू करने हेतु सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(6.2) | **Review and Approval of Guidelines for Conducting the 8th Semester Competency Based Assessment**<br>**Preface:-**<br>The agenda is placed before the committee to review and approve the proposed guidelines for conducting the 8th Semester Competency Based Assessment for students, ensuring a structured, transparent, and university-compliant evaluation process.<br>**Background:-**<br>As part of the academic and clinical evaluation requirements for the 8th Semester, it is necessary to finalize the assessment methodology for both Internal and External Competency Based Assessment. The assessment must align with competency-based education principles and follow the prescribed University format for evaluation and mark entry. After discussion, it has been proposed that the Internal Assessment be conducted through Direct Observation Practical Methods in the clinical area/OSCE Method,Viva over a period of 5 days, involving 5 student groups.<br>The External Assessment will be conducted using the OSCE (Objective Structured Clinical Examination) Method, DOP and Viva. Tentatively, the first and second weeks of 6th week will be utilized for conducting the Internal and External Competency Based Assessment.<br>**Action / Decision Required:-**<br>The committee is requested to:<br>1. Review the proposed guidelines for the 8th Semester Competency Based Assessment.<br>2. Approve the schedule and methodology for both Internal and External Assessment.<br>3. Approve the use of the University-prescribed format for entering students' marks.<br>**Basis of Approval:-**<br>Approval is sought on the basis of:<br>1. Requirement to conduct the 8th Semester Competency Based Assessment in a systematic and standardized manner.<br>2. Need to ensure fair, objective, and competency-based evaluation of students in both clinical and examination settings.<br>3. Compliance with the University guidelines and prescribed mark entry format.<br>4. Suitability of Direct Observation Practical Methods, OSCE Methodand Viva for internal and external assessment.<br>**Proposal:-**<br>It is proposed that: |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | 1. Internal Assessment marks be awarded through Direct Observation Practical Methods in the clinical area, OSCE Method and Viva<br>2. The Internal Assessment be conducted for 5 days, covering 5 groups of students<br>3. External Assessment be conducted by OSCE Method, DOP and Viva<br>4. The Internal and External Competency Based Assessments be tentatively scheduled during the first and second weeks.<br>5. Students' marks be entered strictly as per the University format.<br>**Approval Requested:-**<br>The committee is expected to approve:<br>1. The guidelines for conducting the 8th Semester Competency Based Assessment.<br>2. The Internal Assessment plan through OSCE Method, Direct Observation Practical Methods in clinical postings and Viva for 5 days with 5 groups.<br>3. The External Assessment plan through the OSCE Method, DOP and Viva<br>4. The tentative schedule in the first and second weeks for completion of both assessments.<br>5. The entry of students' marks as per the University-prescribed format. |
| निर्णयः– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(6.3) | **To review and approve the revised Program Outcomes (POs) for the Academic Year 2026–2027.**<br>**Preface:-**<br>Program Outcomes (POs) are broad statements that describe the knowledge, skills, attitudes, professional competencies, and values that students are expected to attain by the time of completion of the programme. These outcomes serve as the foundation for curriculum planning, teaching-learning strategies, assessment practices, and overall quality assurance in higher education. In accordance with the principles of Outcome-Based Education (OBE), regulatory expectations, and institutional quality enhancement measures, it is essential that Program Outcomes be reviewed periodically to ensure that they remain relevant, measurable, aligned with programme objectives, and responsive to contemporary academic, professional, and healthcare needs. In view of the above, the revised Program Outcomes for the academic year 2026–2027 are placed before the competent authority for review and approval.<br>**Background:-**<br>As part of the institution's continuous quality improvement mechanism and Outcome-Based Education (OBE) framework, Program Outcomes are reviewed annually to assess their continued relevance in the light of evolving academic standards, professional expectations, regulatory requirements, healthcare advancements, and institutional vision and mission. The review process for the academic year 2026–2027 has been undertaken by the concerned department/faculty/Board of Studies through internal academic deliberations and stakeholder inputs, wherever applicable. The revised Program Outcomes have been framed to reflect expected graduate attributes, including domain knowledge, clinical competence, critical thinking, communication skills, ethical and professional values, leadership ability, research aptitude, evidence-based practice, community orientation, and lifelong learning. The proposed revision is intended to ensure that the outcomes remain aligned with curriculum delivery, course outcomes, graduate competencies, accreditation requirements, and the broader objectives of nursing education. Accordingly, the revised Program Outcomes for the academic year 2026–2027 are placed for consideration and approval.<br>**Action / Decision Required:-**<br>The competent authority is requested to:<br>1. Review the revised Program Outcomes (POs) prepared for the academic year 2026–2027.<br>2. Examine the alignment of the revised Program Outcomes with the programme objectives, curriculum framework, institutional mission, graduate attributes, and principles of Outcome-Based Education.<br>3. Approve the revised Program Outcomes for implementation for the academic year 2026–2027.<br>4. Authorize the concerned department/faculty/academic section to disseminate the approved Program Outcomes to faculty members, students, and relevant |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | stakeholders, and to incorporate the same in curriculum mapping, course outcome mapping, teaching-learning plans, internal quality documents, and accreditation records.<br>**Basis of Approval:-**<br>The proposal is placed for approval on the following basis:<br>(i) Program Outcomes are an essential component of the Outcome-Based Education (OBE) framework and are required for effective curriculum planning, delivery, and assessment.<br>(ii) Periodic review of Program Outcomes is necessary to ensure alignment with changing academic standards, healthcare practices, professional expectations, and institutional quality benchmarks.<br>(iii) Revised Program Outcomes support effective mapping with Course Outcomes (COs), Programme Specific Outcomes (PSOs), and graduate attributes.<br>(iv) Approval of the revised Program Outcomes is important for academic documentation, internal quality assurance, NAAC/NABH/NMC/INC-related quality processes (as applicable), and future accreditation preparedness.<br>(v) Formal approval by the competent authority ensures institutional validity, transparency, and uniform implementation across the programme during the academic year 2026–2027.<br>**Proposal:-**<br>It is proposed that the revised Program Outcomes (POs) for the concerned programme for the academic year 2026–2027, as prepared and reviewed by the department/faculty/Board of Studies, be approved for implementation. The approved Program Outcomes shall form the basis for outcome mapping, curriculum delivery, teaching-learning strategies, student assessment, quality assurance processes, and academic documentation for the academic year 2026–2027. The concerned department/faculty shall be authorized to circulate and operationalize the approved Program Outcomes in all relevant academic and quality-related records.<br>**Approval Requested:-**<br>The Committee / Board / Academic Council is expected to approve the revised Program Outcomes for the academic year 2026–2027, as the same are essential for maintaining academic quality, strengthening Outcome-Based Education practices, ensuring alignment with institutional and professional expectations, and supporting curriculum implementation and assessment processes. The matter is therefore placed before the competent authority for kind consideration and approval of the revised Program Outcomes for the academic year 2026–2027. |
| निर्णयः– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(6.4) | **To consider and approve the Standard Operating Procedure (SOP) for appearing in University Examinations.**<br>**Preface:-**<br>University examinations constitute a critical component of the academic evaluation system and are essential for assessing students' academic achievement, professional competence, and readiness for progression and certification. In professional programmes such as Nursing, where academic rigor, procedural discipline, and regulatory compliance are of paramount importance, it is necessary to establish a clear and uniform Standard Operating Procedure (SOP) to guide students regarding all aspects of appearing in University examinations. A well-defined SOP ensures that students are adequately informed about examination-related processes, eligibility requirements, documentation, conduct during examinations, adherence to university rules, and consequences of non-compliance. It also promotes transparency, accountability, fairness, and standardization in the conduct of examinations. In order to strengthen examination governance and ensure systematic compliance with institutional and university regulations, the proposed SOP for appearing in University examinations is placed before the competent authority for consideration and approval.<br>**Background:-**<br>In recent academic sessions, it has been observed that students often require structured guidance regarding examination procedures, including submission of |

Scanned with OKEN Scanner

examination forms, verification of eligibility, payment of prescribed fees, attendance requirements, possession of admit card/hall ticket, reporting time, dress code (where applicable), identity verification, permitted and prohibited items, conduct inside the examination hall, compliance with university instructions, and post-examination formalities. In the absence of a formally approved and uniformly communicated SOP, there may be inconsistencies in understanding and adherence to examination procedures, which can lead to avoidable confusion, delays, non-compliance, or grievances. In view of the need for greater clarity and procedural uniformity, the institution/college has prepared a Standard Operating Procedure (SOP) for appearing in University examinations. The proposed SOP is intended to provide a structured framework covering pre-examination, during-examination, and post-examination responsibilities of students, while ensuring alignment with university regulations, examination rules, and institutional administrative procedures. The SOP is expected to serve as an official guidance document for students, faculty mentors, examination coordinators, and administrative staff, thereby facilitating smooth conduct of University examinations.

**Action / Decision Required:-**

The competent authority is requested to:

1. Consider the draft Standard Operating Procedure (SOP) for appearing in University examinations placed before the Committee. 2. Review the provisions contained in the SOP with reference to student eligibility, examination form submission, attendance and academic compliance, fee submission, issue of admit card/hall ticket, reporting protocol, examination hall discipline, prohibited practices, use of unfair means, and compliance with university instructions.
3. Approve the SOP for implementation for all students appearing in University examinations in the institution/college.
4. Authorize the Principal/Dean/Controller of Examinations/Examination In-charge/Academic Section (as applicable) to issue, circulate, display, and enforce the approved SOP among all students and faculty members.
5. Direct that the SOP be incorporated into student orientation, mentoring sessions, notice boards, student handbook, academic calendar references, and examination-related communications for effective dissemination and compliance.

**Basis of Approval:-**

The proposal is placed for approval on the following basis:

(i) A formal SOP is necessary to ensure uniformity, clarity, and consistency in the process of appearing in University examinations.
(ii) The SOP will help students understand examination procedures in advance and reduce errors related to examination forms, eligibility, fee payment, hall tickets, and reporting requirements.
(iii) It will strengthen discipline, transparency, and accountability in examination administration and minimize avoidable grievances or disputes.
(iv) In professional programmes such as Nursing, where academic progression and licensure-related standards are crucial, adherence to examination procedures is essential for maintaining academic integrity and regulatory compliance.
(v) The SOP will support effective coordination among students, faculty mentors, examination coordinators, and administrative units.
(vi) Formal approval by the competent authority will provide the SOP with institutional validity and facilitate uniform implementation across all batches and semesters.

**Proposal:-**

It is proposed that the Standard Operating Procedure (SOP) for appearing in University examinations, as prepared by the institution/college, be approved for implementation with immediate effect / from the academic session 2026–2027 (as applicable). The approved SOP shall serve as the official institutional guideline for all students appearing in University examinations and shall include, inter alia, the following broad components:

Requirements for eligibility: eligibility verification, attendance compliance, internal assessment completion, document verification.

**Approval Requested:-**

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | The Committee / Board / Academic Council is expected to approve the proposed Standard Operating Procedure (SOP) for appearing in University examinations, as the same will provide a structured, transparent, and uniform framework for students and the institution in relation to examination processes. Approval of the SOP will enhance examination preparedness, reduce procedural lapses, strengthen discipline and compliance, and support the smooth conduct of University examinations in accordance with institutional and university norms. The matter is therefore placed before the competent authority for kind consideration and approval. |
| निर्णयः– | विद्या परिषद द्वारा निर्देश दिये गये कि विश्वविद्यालय स्तर पर समिति गठित कर समिति की रिपोर्ट को डीन कमेटी से अनुमोदित कराने के उपरान्त आगामी विद्या परिषद में प्रस्तुत किया जाये। |
| 9–(6.5) | **To deliberate and approve the requirement of obtaining prior approval from the Associate Dean for internal question papers and evaluation records before submission to the Examination Cell.**<br><br>**Preface:-**<br>Internal assessment is an integral component of the academic evaluation system and plays a significant role in measuring students' continuous performance, subject understanding, practical competence, and overall academic progression. In professional programmes such as Nursing, the integrity, standardization, confidentiality, and academic quality of internal examinations and evaluation records are of utmost importance. To ensure institutional oversight, academic uniformity, procedural correctness, and accountability in the preparation and submission of internal examination documents, it is considered necessary to introduce a formal mechanism requiring prior scrutiny and approval by the Associate Dean before internal question papers and evaluation records are submitted to the Examination Cell. Such a mechanism will strengthen quality assurance in assessment practices, ensure compliance with academic norms, and reduce discrepancies or procedural lapses in internal examination administration. In this regard, the matter is placed before the competent authority for deliberation and approval.<br><br>**Background:-**<br>It has been observed that internal examination processes, including preparation of internal question papers, maintenance of evaluation records, award sheets, mark tabulation, and supporting documentation, require a structured level of academic and administrative review before final submission to the Examination Cell. In the absence of a formal pre-submission approval process, there is a possibility of inconsistencies in question paper quality, errors in format, non-alignment with course outcomes and syllabus coverage, discrepancies in evaluation records, incomplete documentation, or delays in correction and verification. In order to strengthen examination governance and ensure a robust quality assurance mechanism, it is proposed that all internal question papers and evaluation records be placed before the Associate Dean for prior review and approval before their submission to the Examination Cell. This proposed process is intended to ensure:<br>(i) academic appropriateness and standardization of question papers,<br>(ii) adherence to prescribed format and examination norms,<br>(iii) completeness and correctness of evaluation records, (iv) proper documentation and accountability<br>(v) timely rectification of discrepancies prior to final submission. Such a requirement will promote greater transparency, discipline, and administrative control in internal assessment procedures.<br><br>**Action / Decision Required:-**<br>The competent authority is requested to:<br>1. Deliberate upon the proposal for making it mandatory to obtain prior approval from the Associate Dean for all internal question papers and evaluation records before submission to the Examination Cell.<br>2. Review the proposed scope of approval, which shall include:<br>(a) internal theory question papers,<br>(b) practical/internal assessment question papers (where applicable),<br>(c) evaluation records,<br>(d) mark sheets/award lists/tabulation records, and<br>(e) other related internal assessment documents.–CO PO Mapping, Learner Level etc |

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | 3. Approve the requirement that no internal question paper or evaluation record shall be submitted to the Examination Cell unless it has been duly reviewed and approved by the Associate Dean.<br>4. Authorize the Associate Dean / Principal / Examination In-charge / Academic Section to frame and communicate the operational procedure, timelines, and documentation format for such approval.<br>5. Direct all departments/faculty members to comply with the approved process for all future internal assessments and examinations.<br><br>**Basis of Approval:-**<br>The proposal is placed for approval on the following grounds:<br>(i) Internal assessments contribute significantly to academic evaluation and must therefore be subject to proper academic oversight and quality assurance.<br>(ii) Prior approval by the Associate Dean will ensure standardization, uniformity, and academic scrutiny of internal question papers.<br>(iii) The process will help ensure that question papers are aligned with the syllabus, course objectives, course outcomes, blueprint/pattern (where applicable), and institutional examination norms.<br>(iv) Review of evaluation records prior to submission will minimize errors in mark entries, tabulation, record maintenance, and documentation, thereby reducing grievances and administrative discrepancies.<br>(v) The approval mechanism will enhance confidentiality, accountability, transparency, and procedural discipline in the conduct of internal examinations.<br>(vi) Formal approval of this requirement by the competent authority will provide institutional legitimacy and facilitate uniform implementation across all departments and semesters.<br><br>**Proposal:-**<br>It is proposed that, with immediate effect / from the academic session 2026–2027 (as applicable), all departments/faculty members shall be required to obtain prior approval from the Associate Dean for the following documents before submission to the Examination Cell:<br>1. Internal theory question papers;<br>2. Internal practical/clinical/viva question papers or assessment tools (where applicable);<br>3. Evaluation records including answer script evaluation summaries, internal assessment mark sheets, award sheets, and tabulation records; CO PO Mapping, Learner Level etc<br>4. Any supporting documents related to internal examination assessment as prescribed by the institution. It is further proposed that no internal examination-related document shall be accepted by the Examination Cell unless it bears the due review/approval/signature of the Associate Dean, as per the approved process. The Associate Dean, in coordination with the Principal/Dean/Examination Cell, may be authorized to prescribe the standard procedure, submission timeline, verification checklist, and documentation format for implementation.<br>**Approval Requested:-**<br>The Committee / Board / Academic Council is expected to approve the proposal, as the same will strengthen the quality assurance framework for internal examinations, improve academic oversight, reduce discrepancies in assessment records, and ensure better coordination between departments and the Examination Cell. The requirement of prior approval from the Associate Dean is likely to promote uniformity, accountability, confidentiality, and procedural compliance in internal examination management. The matter is therefore placed before the competent authority for kind deliberation and approval. |
| निर्णय:– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(6.6) | **To consider and approve the inclusion of Demonstrators in intra-mural and extra-mural projects for Nursing and Paramedical Faculty**<br><br>**Preface:-**<br>Research, academic innovation, and project-based scholarly activities are integral components of institutional growth, academic excellence, and professional development |

Scanned with OKEN Scanner

in higher education. In Nursing education, research and project engagement contribute significantly to strengthening evidence-based practice, enhancing academic competencies, fostering interdisciplinary collaboration, and promoting a culture of inquiry among teaching and academic support personnel. Demonstrators play an important role in the academic and practical training framework of the institution through their active involvement in laboratory work, clinical skill training, academic assistance, student mentoring support, and departmental activities. Considering their academic contribution and potential for professional development, it is appropriate to consider their inclusion in intra-mural and extra-mural projects undertaken by the institution. Such inclusion will provide them with opportunities for skill enhancement, research exposure, academic participation, and capacity building, while also strengthening departmental project implementation and institutional research output. In this regard, the matter is placed before the competent authority for consideration and approval.

**Background:-**

At present, participation in intra-mural and extra-mural research/academic projects is generally limited to faculty members and principal investigators as per existing institutional practice or convention. However, Demonstrators, by virtue of their academic role and close engagement with practical teaching-learning processes, possess relevant competencies and can contribute meaningfully to project activities such as literature review, data collection, data entry, field coordination, documentation, practical/laboratory support, skill training assistance, community-based activities, and project implementation logistics. Their inclusion in projects would not only support the successful execution of research and academic activities but also facilitate their academic enrichment, research orientation, and career advancement. In the context of a Nursing institution, Demonstrators may significantly contribute to projects involving clinical skills training, simulation-based learning, community health programmes, skill labs, educational interventions, patient education activities, survey-based studies, and institutional quality improvement initiatives. Therefore, it is proposed that Demonstrators be formally permitted to participate in intra-mural and extra-mural projects, subject to the norms, eligibility criteria, and approval mechanisms prescribed by the institution and/or funding agencies. Such inclusion may be as Co-Investigator / Project Associate / Project Team Member / Supporting Academic Personnel, as applicable and permissible under the relevant guidelines.

**Action / Decision Required:-**

The competent authority is requested to: 1. Consider the proposal for inclusion of Demonstrators in intra-mural and extra-mural projects undertaken by the institution/departments.

2. Deliberate on the scope of their participation in such projects, including roles such as Co-Investigator, Project Team Member, Research Assistant, Project Associate, Academic Support Member, or other permissible roles as per institutional/funding agency norms.

3. Approve the inclusion of Demonstrators in intra-mural and extra-mural projects, subject to eligibility, project requirements, administrative approval, and applicable funding agency guidelines.

4. Authorize the Principal/Dean/Research Committee/Institutional Research Cell/Project Monitoring Committee (as applicable) to frame and issue the operational guidelines regarding the extent, eligibility, responsibilities, and approval process for such participation.

5. Direct that the approved provision be communicated to all departments and incorporated into institutional research/project guidelines, where necessary.

**Basis of Approval:-**

The proposal is placed for approval on the following grounds:

(i) Demonstrators are actively engaged in academic, practical, laboratory, clinical, and departmental support activities, and their functional role makes them suitable contributors to institutional projects. (ii) Inclusion of Demonstrators in intra-mural and extra-mural projects will strengthen research culture, academic participation, and capacity building within the institution. (iii) Their involvement will provide valuable opportunities for professional development, research exposure, evidence-based practice orientation, and skill enhancement.

(iv) Demonstrators can offer practical support in project execution, including field work, clinical/laboratory coordination, data management, documentation, and student/community engagement activities.

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| | (v) Such inclusion will improve the institution's project implementation efficiency and promote collaborative academic functioning.<br>(vi) Formal approval by the competent authority will ensure institutional legitimacy, transparency, and uniformity in permitting Demonstrators to participate in such projects, subject to applicable norms.<br>**Proposal:-**<br>It is proposed that Demonstrators of Faculty of Nursing be permitted to participate in intra-mural and extra-mural research/academic projects undertaken by the faculty members, or funded agencies, subject to the following broad conditions:<br>1. Demonstrators may be included in project teams in roles permissible under institutional rules and/or funding agency norms, such as Co-Investigator (where eligible), Project Team Member, Research Assistant, Project Associate, Academic Support Member, or other approved roles.<br>2. Their inclusion shall be subject to prior approval of the competent authority and recommendation of the Principal Investigator / Head of Department / Research Committee, as applicable.<br>3. Participation shall not adversely affect their assigned academic, laboratory, clinical, or institutional duties, and shall be regulated in accordance with departmental workload and administrative requirements.<br>4. In extra-mural/funded projects, inclusion shall be strictly subject to the eligibility conditions, financial norms, and administrative provisions of the concerned funding agency/sponsoring body.<br>5. The Research Committee / Research Cell / Principal / Dean may be authorized to issue detailed operational guidelines for implementation.<br>**Approval Requested:-**<br>The Committee / Board / Academic Council / Research Committee is expected to approve the proposal, as the inclusion of Demonstrators in intra-mural and extra-mural projects will promote institutional research culture, enhance project execution capacity, support academic collaboration, and contribute to the professional development of Demonstrators. The proposal is aligned with the broader objectives of academic excellence, faculty support, research participation, and quality enhancement in Nursing education. The matter is therefore placed before the competent authority for kind consideration and approval. |
| निर्णयः– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा Intramural Project के लिए सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया तथा Extramural Project के लिए Sponsoring agency की सहमति के अनुसार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। |
| 9–(6.7) | **To consider and approve the revision of Board of Studies (BOS) Members in Nursing Faculty**<br>**Preface:-**<br>The Board of Studies (BOS) is an important academic body responsible for curriculum, syllabus, academic regulations, and other academic quality matters. Periodic revision of its composition is necessary for effective functioning.<br>**Background:-**<br>The existing BOS composition requires revision/reconstitution due to administrative, tenure-related, or academic reasons, including the need for updated internal and external representation as per institutional/university norms.<br>**Action / Decision Required:-**<br>Approval is sought for the revised/reconstituted composition of the Board of Studies (BOS) for the concerned department/programme/faculty.<br>**Basis of Approval:-**<br>The proposal is based on the need for proper academic governance, continuity of BOS functioning, compliance with norms, and strengthening of curriculum and academic quality processes.<br>**Proposal:-**<br>To approve the revised/reconstituted Board of Studies (BOS) members as per the proposed list, and to authorize issuance of the formal notification/order.<br>**Approval Requested:-**<br>The competent authority may kindly approve the revision/reconstitution of the Board of Studies (BOS) Members. |
| निर्णयः– | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |

Scanned with OKEN Scanner

| | टेबल एजेण्डा |
|---|---|
| 9–(7.1) | **जनरल सर्जरी विभाग में एन0एम0सी0 के दृष्टिगत पी0जी0 सीट में वृद्वि करवाने हेतु गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के असि0 प्रोफेसर को सर्जरी विभाग में सम्मिलित करने के संबंध में।**<br><br>**प्रस्तावना:**–जनरल सर्जरी विभाग में पी0जी0 सीट में वृद्वि करवाने हेतु गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के असि0 प्रोफेसर को सर्जरी विभाग में एन0एम0सी0 की दृष्टिगत सर्जरी विभाग के युनिट में असि0 प्रोफेसर को सम्मिलित करने के संबंध में।<br><br>**पृष्ठभूमि:–** सर्जरी विभाग में एन0एम0सी0 मानक के दृष्टिगत पी0जी0 की 07 सीट वृद्वि किया जाने के प्रस्ताव में एन0एम0सी0 में मानक के अनुसार किया गया है। जिसमें गैस्ट्रो सर्जरी के सहायक आचार्य को सम्मलित करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किया।<br>**नियम/कृत कार्यवाही/निष्कर्ष/निर्णय:**–एन0एम0सी0 के कार्य आदेश सं0– एवं दिनांक के अनुसार विभाग के एक युनिट में 5 सीट की जाती है। वर्तमान में सर्जरी विभाग में 4 युनिट पूर्ण है। किन्तु एन0एम0सी0 नियमानुसार 5 युनिट की आवश्यकता है। इसलिए गैस्ट्रो सर्जरी के असि0 प्रोफेसर को सम्मलित कर लिया जाता है तो सर्जरी विभाग की 5 युनिट पूर्ण हो जायेगी। साथ ही एन0एम0सी0 मानक के अनुसार 7 सीट का प्रस्ताव मान्य किया जा सकता है।<br><br>**प्रस्ताव का आधार:–** जनरल सर्जरी विभाग में असि0 प्रोफेसर कम होने के कारण गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में कार्यरत असि0 प्रोफेसर को एन0एम0सी0 की मानक के अनुसार सम्मिलित करने से सर्जरी विभाग की संबंधित युनिट पूर्ण हो जायेगी।<br>**प्रस्ताव:**– सर्जरी विभाग में असि0 प्रोफेसर कम होने के कारण गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के असि0 प्रोफेसर को सम्मिलित करने से सर्जरी विभाग की संबंधित युनिट पूर्ण करते हुए एन0एम0सी0 मानक को पूर्ण समझा जायेगा।<br><br>**प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदन:**–सर्जरी विभाग में असि0 प्रोफेसर कम होने के कारण गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के असि0 प्रोफेसर को सम्मिलित करने से सर्जरी विभाग की संबंधित युनिट को पूर्ण करवाने हेतु अनुमोदन प्रदान करना चाहे। |
| **निर्णय:–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। |
| 9–(7.2) | **विश्वविद्यालय में नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) हेतु 22 एस0ओ0पी0 को लागू किये जाने के संबंध में।**<br><br>**प्रस्तावना:– उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त निर्देशों के कृम में विश्वविद्यालय में नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) हेतु 22 एस0ओ0पी0 को लागू की जानी है।**<br><br>**पृष्ठभूमि:–** उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा अनुभाग के पत्र सं0 एम0ई0–1/2026/4982 दिनांक 28.01.2026 द्वारा नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) के पारदर्शी एवं नीतिपरक क्रियान्वयन हेतु 22 एस0ओ0पी0 को लागू किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।<br>**नियम/कृत कार्यवाही/निष्कर्ष/निर्णय:–** उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा अनुभाग के पत्र सं0 एम0ई0–1/2026/4982 दिनांक 28.01.2026 द्वारा नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) के पारदर्शी एवं नीतिपरक क्रियान्वयन हेतु 22 एस0ओ0पी0 को लागू किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।<br><br>**प्रस्ताव का आधार:–** उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा अनुभाग ने अपने पत्र सं0 एम0ई0–1/2026/4982 दिनांक 28.01.2026 द्वारा नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) के पारदर्शी एवं नीतिपरक क्रियान्वयन हेतु 22 एस0ओ0पी0 को लागू किये जाने हेतु निर्देशित किया है।<br>**प्रस्ताव:–** उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा अनुभाग ने अपने पत्र सं0 एम0ई0–1 /2026/4982 दिनांक 28.01.2026 द्वारा नैदानिक अनुसंधान (क्लीनिकल रिसर्च) के पारदर्शी एवं नीतिपरक क्रियान्वयन हेतु 22 एस0ओ0पी0 को निम्नानुसार लागू किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं – |

Scanned with OKEN Scanner

| | | |
|---|---|---|
| | Sl.No. | Name |
| | 1 | Preparing Standard Operating Procedures (SOP's) writing, reviewing, distributing, amending SOP's for the Institutional Ethics Committee. |
| | 2 | Constitution of Institutional Ethics Committee. |
| | 3 | Management of Research Study Submissions/Protocol Submissions. |
| | 4 | Full Board Review of Submitted Protocol. |
| | 5 | Expedited Review of Submitted Protocol. |
| | 6 | Exemption from the Review for Research Projects. |
| | 7 | Agenda Preparation, Meeting Procedures and Recording of Minutes. |
| | 8 | Review of Amended Protocols Protocol-related Documents. |
| | 9 | Continuing Review of Study Protocols. |
| | 10 | Review of Protocol Deviation/Violation/Non-Compliance/Waiver. |
| | 11 | Review of Serious Adverse Events (SAE) Reports. |
| | 12 | Maintenance of Active Project Files, Archival/Disposal of Closed Files and Retrieval of Documents. |
| | 13 | Review of Study Completion Reports. |
| | 14 | Management of Premature Termination/Suspension/Discontinuation of the Study. |
| | 15 | Reviewing Research Protocols Involving Vulnerable Popolations. |
| | 16 | Site Monitoring and Post-monitoring Activities. |
| | 17 | Management of Conflict of Interest. |
| | 18 | Selection and Responsibilities of Independent Consultants. |
| | 19 | Dealing with participants, patients queries, requests and complaints. |
| | 20 | Review of Academic Clinical Trials. |
| | 21 | Financial declaration of payments received and disbursed. |
| | 22 | Policy for communication with different stakeholder. |
| | **प्रस्ताव पर अपेक्षित अनुमोदनः–** उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें। | |
| **निर्णयः–** | उक्त प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन प्रदान किया गया। | |

बैठक विद्या परिषद के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्पन्न हुई।

(डॉ0 आदेश कुमार)
संकायाध्यक्ष चिकित्सा संकाय
एवं संयोजक विद्या परिषद,
उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय,
सैफई, इटावा

(डॉ0 अजय सिंह)
कुलपति
एवं अध्यक्ष–विद्या परिषद,
उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय,
सैफई, इटावा

Scanned with OKEN Scanner

# विद्या परिषद की नौवीं बैठक दिनाँक 16.04.2026



| Sl. No. | Name | Designation | Department | Mobile No & Email ID | Sign |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ADIL RAHMAN | Professor (Additional) & Head | Biochemistry | 9410641429 | |
| 2 | Ravi Ranjan | Prof & HOD | Eye Deptt | 8191050550 | Raw |
| 3 | Dr Jitendra Pratap Singh Chauhan | Prof & HOD | ENT Deptt | 9997634222 | |
| 4 | Dr Chandra Veer Singh | Professor & Officiating Head | Pharmacology | 9927791470 | |
| 5 | Dr. Pradeep Sharma | Professor | Biochemistry | 9627155457 | |
| 6 | Dr. Amit Kant Singh | Professor + HOD | Physiology | 9412205031 | |
| 7 | Dr Puspendra Singh | Professor & HOD | Forensic Medicine | 6397659933 | |
| 8 | Dr Sanjai Singh | Assist Professor | PMR | 9450560564 | |
| 9 | Dr. Rajesh Kumar Verma | Prof & head Micro / COE | Microbiology | 8477973359 | |
| 10 | Dr J P Mathuria | Dean, FPS | Paramedical | 8057493068 | |
| 11 | Prof. BIJI BIJU | Dean FON | FON | 8057417116 | |
| 12 | Dr. JYOTI KALA BHARATI | ASSISTANT PROFESSOR | TRANSFUSION MEDICINE | 8890433192 | |
| 13 | Dr Seema Dayal | Professor & Head | Pathology | 9837583969 seemadayal59@gmail.com | |
| 14 | Dr Atul Kumar Singh | Dean, Faculty of Dental Sciences | Dentistry | 9452074574 | |
| 15 | Dr Rajesh Kumar Thakur | Prof. & Head, Resp. | Radiology FOMS | 9997060666 | |

Scanned with OKEN Scanner

| S.NO. | Name | Designation | Department | Mob. No & Email | Sign. |
|---|---|---|---|---|---|
| 16 | SEMBIAN. N | Asso. Prof | Faculty of Nursing | 7088000695 . Sembiannnpmed. | [signature] |
| 17 | Dr. Kailash Mittal | Professor | Radiation oncology | 8279338269 medonco36@gmail.com | [signature] |
| 18 | Dr. Bipin Kumar Yadav | Professor | Periodontology | 8449619482 | [signature] |
| 19 | Dr. Rahul Mishra | Professor | Oral & Maxillofacial Surgery | 9452373015 | [signature] |
| 20 | Dr. Sweta S. Kumar | Prof(JG) | Dermatology | 9997008178 | [signature] |
| 21 | Dr. Amit Singh | Professor | Microbiology | 9458641459 | [signature] |
| 22 | Dr Dhiraj Kumar Srivastava | Professor | Comm. Med. | 9027156756 | [signature] |
| 23 | Dr. Gowri shankar Potturi | Assoc. Prof & H.O.D | Physiotherapy, FPS | 9603803011 | [signature] |
| 24 | Dr. Anuj Jain | Professor | Anatomy | 9027617295 dranujjainmahe2@yahoo.com | [signature] |
| 25 | Dr. Vidya Rani | Professor | Community Medicine | 9927498492 | [signature] |
| 26 | Dr. Subhash Chandra | AP | Cardiology | 8958027949 | [signature] |
| 27 | Dr Sajag Kumar Gupta | A.P | Neurosurgery | 9924992528 | [signature] |
| 28 | Dr. Siddharth Kumar | Asst prof | Rad. oncology | 8604599521 | [signature] |
| 29 | Dr Alpa | Obst Prof | O.B.G | 7830516498 | [signature] |
| 30 | Dr. Durgesh Kumar | Professor(JrGr) | Pediatrics | 9917414512 | [signature] |

| S.No. | Name | Designation | Department | Mob. No. & Email | Sign |
|---|---|---|---|---|---|
| 31 | Dr Manoj Kumar | Prof & HOD | Gen medicine | 9457879769, mkumarrims@gmail.com | [signature] |
| 32 | Dr. Rafiq A Rahman | Associate Prof & Head | Pediatric Surgery | 9990263423 | [signature] |
| 33 | Dr. Mubashir Ali Khan | Prof & HOD | Urology | 8006970513 | [signature] |
| 34 | Dr Atul Saxena | Associate Prof. & Head | Plastic Surgery | 827975637 | [signature] |
| 35 | Dr [illegible] | Pr (JG) | Anaesthesia Deptt. | 7351768859 | [signature] |
| 36 | Dr. Sugandhi Sharma | Asstt. Prof. | Community Medicine | 9897740325 | [signature] |
| 37 | Dr. Vinay Kr Gupta | Assot Prof (Member sec PhD Cell) | Pharmacology | 9454720948 | [signature] |
| 38 | Dr. Asha Pathak | Professor | Pharmacology | 9451021779 | [signature] |
| 39 | Dr. Prashant Choudhary | Assistant Professor | Psychiatry | 9540303020 | [signature] |
| 40 | Dr D.P. Singh | Professor | Microbiology | 9639059694 | [signature] |
| 41 | Dr. [illegible] Kumar | Dean | Faculty of Pharmacy | 9897112288 | [signature] |
| 42 | Dr. Ahmad Hasan | AP | Registry Alumni cell | 9536670830 | [signature] |
| 43 | Dr Sunil Kumar | Professor & Head | Ortho | 9870891710 | [signature] |
| 44 | Dr. Prof. Anil Kumar | Professor Senior Grade | General Surgery | 9458409337 | [signature] |
| 45 | Dr. Prof. S.P. Singh | Professor & Head of Depart. of Gen-Surgery. | General Surgery | 9457879726 | [signature] |

Scanned with OKEN Scanner

| Sr. No. | Name | Designation | Department | Mob. No & Email |
|---|---|---|---|---|
| 46 | Dr Vipin Kumar Gupta | Professor | Surgery | 9412590152 [illegible] |
| 47 | Dr Savita Agarwal | Faculty Incharge Research Cell (Prof) | Pathology | 8449508719 [illegible] |
| 48 | Dr Reena Sharma | Prof & Asso Dean (officiating) | Ophthalmology | 9891494357 drreenasharma98@gmail |
| 49 | | | | |
| 50 | | | | |
| 51 | | | | |
| 52 | | | | |
| 53 | | | | |
| 54 | | | | |
| 55 | | | | |
| 56 | | | | |
| 57 | | | | |
| 58 | | | | |
| 59 | | | | |
| 60. | | | | |

Scanned with OKEN Scanner